सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 343 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 24 जनवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

भगवान मूर्तियों में नहीं है। आपकी अनुभूति आपका ईश्वर है। आत्मा आपका मंदिर है।

-चाणक्य

43 साल की उम्र में रोहन बने... 7 | राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद... 3 | भाजपा की साजिश से कर्पूरी गंवा... 2

'एकला चलो रे' के नारे पर आगे बढ़ीं ममता बनर्जी

टीएमसी प्रमुख का ऐलान- लोकसभा चुनाव में अकेले लड़ेगी तृणमूल

» बोलीं- मेरे सभी सुझावों को किया गया नजरअंदाज

» पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन को लगा झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। जितना-जितना लोकसभा चुनाव करीब आता जा रहा है, उतना-उतना ही विपक्ष के इंडिया गठबंधन की गांठ कमजोर पड़ती जा रही है। इस विपक्षी गठबंधन को अब पश्चिम बंगाल से एक बड़ा झटका लगा है। क्योंकि बंगाल के सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस की मुखिया व प्रदेश की सीएम ममता बनर्जी ने 'एकला चलो रे' की नीति पर आगे बढ़ने का ऐलान कर दिया है।

काफी दिनों से कांग्रेस और टीएमसी के बीच चला रही उठापटक के बाद आज टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने ऐलान कर दिया कि लोकसभा चुनाव में टीएमसी अकेले ही चुनाव मैदान में उतरेगी। ममता का ये बयान विपक्षी एकता और इंडिया गठबंधन के लिए एक बड़ा झटका है।

हालांकि, ममता बनर्जी ने जब यह ऐलान किया, तो उपेक्षा का दर्द और तल्खी भी झलकी। उन्होंने कहा कि मैंने जो भी सुझाव दिए, वह सभी नकार दिए गए। इन सबके बाद हमने बंगाल में अकेले जाने का फैसला किया। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना यह भी कहा कि वह पश्चिम बंगाल में यात्रा करने जा रहे हैं, इसकी जानकारी शिष्टाचार के नाते भी उनको नहीं दी गई।

कांग्रेस पर जमकर बरसीं ममता

ममता बनर्जी ने कहा कि इन सबको लेकर हमसे किसी भी तरह की कोई चर्चा नहीं की गई। ये पूरी तरह गलत है। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी कांग्रेस पर जमकर बरसीं और उन पर राहुल गांधी की कल दी गई नसीहत या बात का भी कोई असर नहीं दिखा। दरअसल, कल राहुल गांधी ने यह कहा था कि ममता बनर्जी और नीतीश कुमार समेत अन्य गठबंधन सहयोगियों के प्रमुख नेताओं को भी बुलाया जाएगा। ममता बनर्जी ने दो टूक कहा कि हमने पहले ही कह रखा है कि कांग्रेस 300 सीटों पर चुनाव लड़े और क्षेत्रीय दलों को अपने क्षेत्र में बीजेपी से मुकाबला करने दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्रीय दल एक साथ रहेंगे लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि अगर वह हस्तक्षेप करेंगे तो हमें फिर से विचार करना होगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस के करने को लेकर भी सवाल उठाए।

अधीर रंजन ने कहा था हमें नहीं चाहिए भीख

गौरतलब है कि टीएमसी ने साफ किया था कि वह कांग्रेस को दो सीटें देगी। कांग्रेस को 2019 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की 42 में से दो सीटों पर जीत हासिल की थी। पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने इसे लेकर तल्ख बयान दिया था। अधीर ने कहा था कि दो सीट तो हमें तब भी जीते थे, अब भी जीत सकते हैं। हमें टीएमसी से कोई भीख नहीं चाहिए।

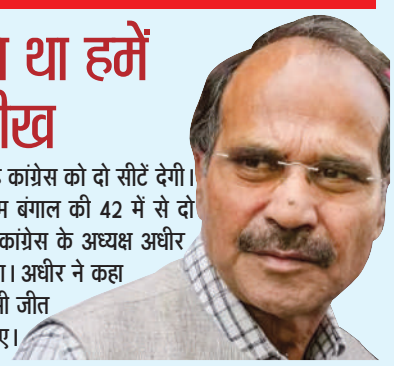

हम डरने वाले नहीं, जितनी चाहो एफआईआर दर्ज कर लो

» बरपेटा में असम पुलिस व सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को राहुल की खुली चुनौती

» बोले- भाजपा-आरएसएस असम की संस्कृति को मिटाना चाहते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरपेटा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इस समय असम राज्य में है। जबसे यात्रा असम पहुंची है लगातार चर्चा में बनी हुई है। यहां यात्रा पर हमले भी हुए और पुलिस से कांग्रेस कार्यकर्ताओं की झड़प भी हुई, जहां पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इतना ही नहीं राहुल गांधी समेत कई कांग्रेसियों पर एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है। असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और राहुल गांधी लगातार आमने-सामने बने हुए हैं।

इस बीच आज जब यात्रा असम के बरपेटा में पहुंची तो एक बार फिर राहुल का आक्रामक अंदाज देखने को मिला। राहुल गांधी ने असम की पुलिस को और प्राथमिकी दर्ज करने की चुनौती दी।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि जितना संभव हो, पुलिस उतने मामले दर्ज करे। इसके बावजूद वे डरने वाले नहीं हैं। राहुल ने असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को भी आड़े हाथों लेते हुए भूमि घोटाले और रिश्वतखोरी का जिक्र करते हुए कहा कि हिमंत बिस्वा सरमा पूरे भारत में सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। राहुल ने कहा कि भाजपा और आरएसएस मिलकर भी उन्हें डरा नहीं सकते।

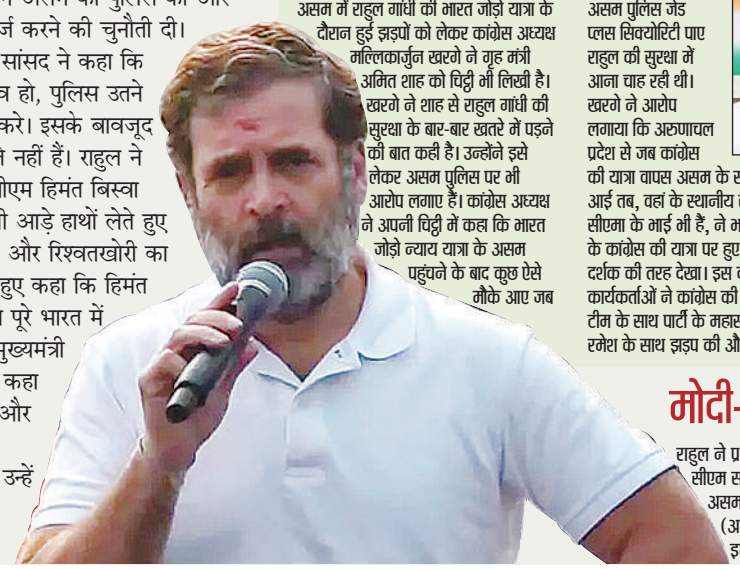

खरगे ने राहुल की सुरक्षा को लेकर गृहमंत्री शाह को लिखा पत्र

असम में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हुई झड़पों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी भी लिखी है। खरगे ने शाह से राहुल गांधी की सुरक्षा के बार-बार खतरे में पड़ने की बात कही है। उन्होंने इसे लेकर असम पुलिस पर भी आरोप लगाए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपनी चिट्ठी में कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के असम पहुंचने के बाद कुछ ऐसे मौके आए जब असम पुलिस जेड प्लस सिक्योरिटी पाए राहुल की सुरक्षा में आना चाह रही थी। खरगे ने आरोप लगाया कि अरुणाचल प्रदेश से जब कांग्रेस की यात्रा वापस असम के सोनितपुर जिले में आई तब, वहां के स्थानीय सुपरिटेंडेंट, जो कि सीएमा के भाई भी हैं, ने भाजपा कार्यकर्ताओं के कांग्रेस की यात्रा पर हुए हमले को किसी दर्शक की तरह देखा। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम के साथ पार्टी के महासचिव जयराम रमेश के साथ झड़प की और उनकी कार पर भी हमला कर दिया। इन लोगों ने यात्रा के खिलाफ नारेबाजी की और वाहनों पर लगे यात्रा के पोस्टर तक फाड़ दिए। खरगे ने कहा कि 22 जनवरी को नगांव जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल के बेड़े को रोक लिया, जिससे उनकी सुरक्षा के लिए खतरनाक स्थिति पैदा हो गई थी। इन घटनाओं के बीच जब-जब भाजपा कार्यकर्ता राहुल गांधी के करीब आए, तब-तब असम पुलिस दर्शक बनी खड़ी रही। खरगे ने अमित शाह से मांग की कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करें और यह सुनिश्चित करें कि यात्रा तैयारी के तहत आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि मामले में केंद्रीय गृह मंत्री का दखल जरूरी है, ताकि यात्रा के साथ ऐसी कोई अनहोनी न हो जाए।

राहुल के आक्रामक तेवर

गौरतलब है कि भीड़ को कथित तौर पर उकसाने के लिए गुवाहाटी पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक दिन बाद आक्रामक तेवर दिखाते हुए राहुल ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि असम के मुख्यमंत्री ने ऐसा क्यों सोच लिया कि पुलिस के पास मामले दर्ज होने पर वे डर जाएंगे। उन्होंने कहा कि 25 और मामले दर्ज कराएं। जितना संभव हो मामला दर्ज करें, उन्हें इस बात से फर्क नहीं पड़ता। वे किसी से डरने वाले नहीं हैं।

मोदी-शाह के दिल नफरत से भरे हुए : राहुल गांधी

राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि सीएम सरमा के अलावा पीएम मोदी और शाह के भी दिल नफरत से भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा-आरएसएस असम की भाषा, संस्कृति और इतिहास को मिटाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ असम को नागपुर (आरएसएस मख्यालय) से चलाना चाहते हैं, लेकिन कांग्रेस और असम की जनता उन्हें ऐसा करने की इजाजत नहीं देगी। असम में यहीं के लोगों का शासन होगा।

अपने बल पर लड़ेंगे चुनाव : अधीर

» बोले- अवसरवादी है टीएमसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि कांग्रेस ममता की मदद से चुनाव नहीं लड़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जानती है कि अपने बल पर कैसे लड़ना है और ममता बनर्जी को याद रखना चाहिए कि कांग्रेस के समर्थन से ही वह बंगाल में सत्ता में आई थीं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा यह आरोप लगाने के एक दिन बाद कि वाम दल इंडिया ब्लॉक के एजेंडे को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता की आलोचना करते हुए उन्हें अवसरवादी बताया। चौधरी ने कहा कि कांग्रेस ममता की मदद से चुनाव नहीं लड़ेगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस जानती है कि अपने बल पर कैसे लड़ना है और ममता बनर्जी को याद रखना चाहिए कि कांग्रेस के समर्थन से ही वह बंगाल में सत्ता में आई थीं। कोलकाता में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता ने इंडिया ब्लॉक बैठक के एजेंडे को नियंत्रित करने वाले सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे को स्वीकार करने में अनिच्छा व्यक्त की। इससे पहले जनवरी के पहले सप्ताह में चौधरी ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए बंगाल में सीट बंटवारे को लेकर ममता की आलोचना की थी। वह उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि टीएमसी ने बंगाल में कांग्रेस को दो सीटों की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सीटों के लिए भीख नहीं मांगेगी।

कांग्रेस लोस चुनाव के लिए माहौल बनाएगी

कांग्रेस ने कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रत्येक बूथ से दो-दो कार्यकर्ताओं को लाने की रणनीति बनाई है। इसके लिए सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में नियुक्ति प्रभारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। 28 जनवरी को कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पहली बार उत्तराखंड के दौरे पर आएंगे। वह देहरादून के बन्नू स्कूल मैदान में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन से कांग्रेस प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए माहौल बनाएगी। सम्मेलन में 11,700 से अधिक बूथों से कार्यकर्ता आएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दौरे से कार्यकर्ताओं में आगामी चुनाव को लेकर नए जोश का संचार होगा। प्रदेश कांग्रेस सम्मेलन की तैयारियों में जुटी है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी पदाधिकारियों और नेताओं को प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जो प्रत्येक बूथ से दो-दो कार्यकर्ताओं को सम्मेलन में लाएंगे। पार्टी की ओर से बाकायदा प्रभारियों के साथ आने वाले कार्यकर्ताओं का ब्योरा लिया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने बताया, कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से बूथ स्तर पर पार्टी कार्यक्रमों को पहुंचाया जाएगा।

मुझे पीएम मोदी के उपवास पर शक : वीरप्पा मोइली

» बोले- इतने दिन बिना खाए-पिए कोई नहीं रह सकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली ने पीएम मोदी के उपवास को लेकर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता मोइली ने प्रधानमंत्री मोदी के व्रत पर शक जाहिर करते हुए कहा कि मुझे शक है कि उन्होंने (पीएम मोदी) 11 दिन का अनुष्ठान किया होगा। अगर बिना व्रत किए गर्भगृह में प्रवेश किया जाता है, तो वह जगह अपवित्र हो जाती। ऐसे में उस जगह से शक्ति नहीं पैदा होती है।

मोइली ने कहा कि मॉर्निंग वॉक के दौरान डॉक्टर ने मुझे यह बताया कि बिना खाए-पीए इतने दिन तक जिंदा रहना असंभव है। अगर इसके बावजूद वह जिंदा हैं तो यह चमत्कार है। गौरतलब है कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले पीएम मोदी ने 11 दिन का अनुष्ठान किया था। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कठिन व्रत किया था। वह जमीन पर सिर्फ कंबल बिछाकर सोते थे और नारियल पानी पीते थे। इतना ही नहीं, अनुष्ठान के तहत वह देश के विभिन्न मंदिरों में भी पहुंचे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिरों में सफाई अभियान भी चलाया था। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में सोमवार को अयोध्या के मंदिर में रामलला की नयी मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर को एक नए युग के आगमन का प्रतीक करार दिया और लोगों से मंदिर निर्माण से आगे बढ़कर अगले 1,000 वर्षों के मजबूत, भव्य और दिव्य भारत की नींव बनाने का आह्वान किया।

ठाकरे की शिवसेना न होती तो प्राण प्रतिष्ठा भी न होती : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने मंगलवार को दावा किया कि यदि शिवसेना अस्तित्व में नहीं होती, तो अयोध्या मंदिर में भगवान राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान राम से उनकी पार्टी का रिश्ता सबसे पुराना और गहरा भावनात्मक है। यह उल्लेख करना उचित है कि शिवसेना (यूबीटी) और भाजपा की महाराष्ट्र इकाई राम जन्मभूमि आंदोलन में उनके योगदान को लेकर तीखी जुबानी जंग में लगी हुई है।

महाराष्ट्र भाजपा ने आंदोलन में उनके योगदान को लेकर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, उनके बेटे आदित्य और राउत पर हमला किया है। दूसरी ओर, सेना (यूबीटी) बाबरी मस्जिद को गिराने का श्रेय

लेती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अयोध्या में भव्य राम मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की।

विरोध करने वालों को रामलला का नाम लेने का अधिकार नहीं : शिंदे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्ष पर जबरदस्त तरीके से प्रहार किया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि राम मंदिर का विरोध करने वालों को रामलला का नाम लेने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने बाला साहेब ठाकरे और करोड़ों राम भक्तों के सपनों को पूरा किया। कल एक ऐतिहासिक दिन था।

सुप्रीम कोर्ट की गुजरात पुलिस को फटकार

» मुसलमानों को सरेआम कोड़े मारने वाले पुलिसवालों की खिंचाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अक्टूबर 2022 में तीन मुस्लिम पुरुषों को खंभे से बांधने के बाद सार्वजनिक रूप से कोड़े मारने में शामिल गुजरात पुलिस अधिकारियों की आलोचना की और उनके आचरण को अत्याचारी और अस्वीकार्य बताया।

न्यायमूर्ति भूषण आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिसकर्मियों ने न केवल अपने अधिकार का दुरुपयोग किया, बल्कि डीके बसु मामले

में सुप्रीम कोर्ट के 1997 के फैसले का भी उल्लंघन किया, जिसमें कानून प्रवर्तन एजेंसियों को हिरासत में यातना के खिलाफ चेतावनी दी गई थी और पुलिस पर व्यापक दिशानिर्देश दिए गए थे। पिछले साल अक्टूबर में गुजरात उच्च न्यायालय ने राज्य के खेड़ा जिले में तीन मुस्लिम पुरुषों की सार्वजनिक पिटाई के मामले में अदालत की अवमानना के मामले में चार पुलिसकर्मियों को 14 दिनों की कैद और 2,000 के जुर्माने की सजा सुनाई थी। यह घटना, जिसका एक वीडियो वायरल हुआ, अक्टूबर 2022 में हुई।पीठ ने आरोपी पुलिसकर्मियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे से अवमानना मामले में दोषसिद्धि को उलटने की मांग करने के आधार के बारे में पूछा, जबकि मामले के तथ्यों पर कोई विवाद नहीं था। दवे ने कहा कि अपील अदालत की अवमानना के तहत कार्यवाही करने में उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाती है क्योंकि डीके बसु मामले में 1997 के फैसले में इस घटना को हिरासत में यातना का एक रूप नहीं कहा गया था।

सार्वजनिक दृश्य में पीटने का अधिकार किसने दिया : कोर्ट

क्या कानून के तहत आपको लोगों को खंभों से बांधने और सार्वजनिक दृश्य में पीटने का अधिकार है? और एक वीडियो लें? यह किस तरह का अत्याचार है और आप इसका वीडियो भी बनाते हैं। पीठ ने अवमानना मामले में अपनी दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ पुलिसकर्मियों द्वारा दायर अपील पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

भाजपा की साजिश से कर्पूरी गंवा बैठे थे सीएम पद : गगन

» राजद प्रवक्ता बोले- जो गाली देते रहे वह मना रहे जन्मदिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कर्पूरी ठाकुर की जयंती समारोह से पहले राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने बीजेपी पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने कहा भाजपा की साजिश की वजह से उन्हें सीएम के पद से हटना पड़ा था। राजद प्रवक्ता ने कहा कि आज वैसे लोग भी कर्पूरी जी की जयंती मना रहे हैं जिन्होंने जीते-जी उन्हें गालियां दिया करते थे। 1967 में पहली गैर कांग्रेसी सरकार में सर्वाधिक विधायकों वाली पार्टी के नेता होने के बावजूद तत्कालीन जनसंघ जिसका नामकरण अब भाजपा हो गया है, ने उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनने दिया था।

इसी प्रकार 1977 में बिहार की जनता पार्टी सरकार में जब कर्पूरी जी

मुख्यमंत्री बने तो भाजपा के लोगों ने साजिश कर उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने का काम किया था। 24 जनवरी यानी बुधवार को बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री और जननायक कर्पूरी ठाकुर की 100वीं जयंती मनाए जाएगी। लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी सभी पार्टियों के बीच कर्पूरी जयंती मनाने की होड़ है। राजद, जदयू हो या भाजपा सभी पार्टियां कर्पूरी ठाकुर के विचारों पर चलने की बात करते हैं। राजद के लोग एस के मेमोरियल हॉल में समारोह का आयोजन कर रहे।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद बदलेगी सियासी तस्वीर !

अयोध्या में चंद्रबाबू व देवगौड़ा के आने से बीजेपी गदगद

- कांग्रेस व अन्य दल भी बनाएंगे नई रणनीति
- 2024 लोस चुनाव में उभारने होंगे जनता के मुद्दे
- बंगाल में कांग्रेस को ममता की नसीहत, सहयोगियों का रखें ध्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद राजनीति भी बदल सकती है। अयोध्या के राम मंदिर में केवल बालक राम की ही प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई है बल्कि एक-दूसरे से खिंचे-खिंचे चल रहे सियासी दलों के दिल भी मिलते दिख रहे हैं। वहीं कांग्रेस समेत अन्य सियासी पार्टियां भी अब नई रणनीति व कलेवर के साथ 2024 में उतरने की तैयारी कर रही हैं। मंदिर समारोह में विपक्ष का कोई भी नेता नहीं आया लेकिन आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू और जेडीएस नेता और पूर्व पीएम एच डी देवगौड़ा एवं एचडी कुमारस्वामी इस कार्यक्रम में मौजूद थे। इससे बीजेपी गदगद है एक वक्त था जब नायडू के कारण पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी राम मंदिर, आर्टिकल 370 जैसे बीजेपी के कोर मुद्दों पर गठबंधन धर्म की बात कर चुके थे। हालांकि, तमाम उतार-चढ़ाव के बीच नायडू की राम मंदिर समारोह में उपस्थिति दक्षिण में एनडीए , खासकर बीजेपी के लिए अच्छे संकेत तो हैं ही।

केंद्र में वाजपेयी सरकार के दौर में नायडू का बीजेपी का अहम समर्थन जरूरी था। इस कारण नायडू अपने भाषणों में कहते थे कि वह केंद्र सरकार में बीजेपी पर दबाव बनाकर रखेंगे। उनका संकेत हुआ करता था बीजेपी के कोर मुद्दों पर। यानी आर्टिकल 370, राम मंदिर और कॉमन सिविल कोड। पूर्व पीएम वाजपेयी ने एक बार लोकसभा में कहा था कि बीजेपी ने अपना कोर मुद्दा कभी नहीं छोड़ा है लेकिन उन्हें गठबंधन के साथ सरकार चलानी है। इसलिए इस सरकार में हमारे लिए ये मुद्दे नहीं हैं। जिस राम मंदिर को लेकर नायडू बीजेपी पर दबाव बनाकर रखते थे वही नायडू बाल राम की प्राण प्रतिष्ठा में पहुंचे थे। 2018 के लोकसभा चुनाव से पहले नायडू ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए एनडीए से नाता तोड़ लिया था। उन्हें उम्मीद थी कि इससे उन्हें आंध्र प्रदेश में फायदा मिलेगा। लेकिन हुआ इसके ठीक उलट और जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस राज्य में सत्ता में आ गई और तबसे नायडू मुख्यधारा की राजनीति से दूर हो गए। राम मंदिर कार्यक्रम में पहुंचने के बाद माना जा रहा है कि नायडू बीजेपी के साथ दोस्ती बनाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। आंध्र में लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में बीजेपी के लिए भी ये एक फायदे का सौदा हो सकता है। आंध्र प्रदेश में बीजेपी पिछली बार अकेले चुनाव लड़ी थी। राम मंदिर में नायडू की उपस्थिति के बाद ऐसा लग रहा है कि बीजेपी और टीडीपी के बीच रिश्तों में जमी बर्फ और पिघली है। पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा भी बेटे एचडी कुमारस्वामी के साथ राम मंदिर के समारोह में पहुंचे थे। बीजेपी और जेडीएस में कर्नाटक में गठबंधन कर लिया है। दोनों ही दलों को विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने तगड़ा झटका दिया था। अब राज्य में दोनों के बीच गठजोड़ के बाद बीजेपी कर्नाटक में लोकसभा चुनाव में ज्यादा ताकत से उतरने की तैयारी में है। राम मंदिर समारोह में इन दो नेताओं की मौजूदगी ने 2024 में एनडीए की तस्वीर भी साफ कर दी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने कांग्रेस को नसीहत दी है। उन्होंने कहा, कांग्रेस लोकसभा की 300 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। उसे कुछ क्षेत्रों को पूरी तरह क्षेत्रीय दलों के लिए छोड़ देना चाहिए। लेकिन, वह अपनी मनमानी पर अड़ी हुई। उन्होंने कहा कि कोई भी भाजपा का उतना सीधा मुकाबला नहीं करता, जितना वह करती हैं। कोलकाता में सर्वधर्म सद्भाव रैली में ममता ने कहा, कांग्रेस 300 सीटों पर लड़ती है तो मैं उन सीटों पर नहीं लड़ूंगी।

पंजाब में कांग्रेस व आप में टकरार

पंजाब में एकबार फिर कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने मान पर करारा हमला बोला है। उनका यह बयान उस समय आया है जब पार्टी आप के साथ सीटों के बंटवारे पा आम सहमति बनाने की कोशिश में जुटी है। सिद्धू ने आप सरकार को चोरों की सरकार बता दिया है ऐसे में आगे देखना होगा इसपर आम आदमी पार्टी क्या प्रतिक्रिया देती है पर कुल मिला कांग्रेस आलाकमान की मंशा से इतर इस तरह का बयान देकर फिर से विवादों को हवा दे दी है। गौरतलब हो कि इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच राष्ट्रीय स्तर पर साथ

मिलकर चुनाव लड़ने पर सहमति है। इसी के तहत दिल्ली और गुजरात में दोनों दल सीट शेयरिंग पर भी सहमत हो चुके हैं। वहीं पंजाब, जहां आप की बड़े बहुमत वाली सरकार है, में दोनों दलों के बीच 2024 लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने पर सहमति नहीं बन रही। इस मुद्दे पर दोनों दलों के आलाकमान के बीच अब तक बातचीत के पांच दौर कोई हल नहीं खोज सके हैं। हालांकि दोनों दलों ने पंजाब में आपसी सहमति बनाने की उम्मीद बरकरार रहने की बात कही है, लेकिन इसी दौरान सूबे में कांग्रेस और आप ने अपने स्तर पर सभी 13 लोकसभा सीटों पर अपने-अपने प्रत्याशी उतारकर चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बीते सप्ताह दिल्ली में कांग्रेस और आप आलाकमान के बीच बैठक में पंजाब के बारे में कोई फैसला नहीं होने के बाद दोनों ही दलों ने प्रदेश इकाइयों को अपने स्तर पर तैयारी शुरू करने का इशारा कर दिया है। इस कड़ी में, पंजाब कांग्रेस ने पहल करते हुए चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस भवन में वार रूम और राज्यस्तरीय कमेटी का गठन कर दिया है, जो राज्यभर में बूथ लेवल तक के नेताओं से सीधे तालमेल बनाकर हलकावार चुनाव रणनीति तैयार करेगी।

कांग्रेस की तीन दिवसीय कार्यकर्ता बैठक शुरू

पंजाब कांग्रेस के प्रभारी देवेंद्र यादव, प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा और कार्यकारी प्रधान भारत भूषण आशु ने 23 से 25 जनवरी तक तीन दिवसीय संसदीय स्तर की कार्यकर्ता बैठक बुला ली है। इसके तहत 23 जनवरी को पटियाला स्थित कम्युनिटी हॉल में सुबह 11 बजे पटियाला लोकसभा सीट को लेकर विचार विमर्श होगा। उसके बाद दोपहर 1 बजे कम्युनिटी हॉल के बाहर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वास सरमा का पुतला फूंका जाएगा। इसके बाद, संगरूर में पटियाला रोड स्थित जेजी रिजार्ट में संगरूर लोकसभा सीट को लेकर बुलाई गई बैठक में विचार-विमर्श होगा।

सीएम मान दे चुके हैं सभी सीटों पर लड़ने का बयान

दूसरी ओर, पंजाब आप ने भी प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। दो दिन पहले ही मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ने का बयान, उस समय दिया जब दिल्ली में कांग्रेस और आप आलाकमान के बीच पंजाब को लेकर सहमति नहीं बन सकी। पंजाब आप सूत्रों के अनुसार, जिलों से मिले फीडबैक में आप के नेता और वर्कर अपने स्तर पर चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। इस संबंध में स्थानीय नेताओं ने प्रदेश इकाई को भी कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव न लड़ने का आग्रह किया है। इस बीच, आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल जोकि 21 जनवरी को पंजाब पहुंचने वाले थे, ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव की उठापटक के मद्देनजर उन्होंने अपना दौरा स्थगित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, मेयर चुनाव के बाद वह चंडीगढ़ में पंजाब आप के नेताओं से लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा करेंगे।

कांग्रेस ने 13 हलकों में लोकसभा को-ऑर्डिनेटर बनाए

इससे पहले प्रदेश कांग्रेस ने 13 हलकों में लोकसभा को-ऑर्डिनेटरों की तैनाती कर दी थी, जिन्हें लोकसभा हलका स्तर पर स्थानीय नेताओं और वर्करों के साथ समन्वय कायम करने का जिम्मा सौंपा गया है। पंजाब कांग्रेस के नवगठित वार रूम में पार्टी ने रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी एचएस किंगरा, राजवंत राय शर्मा, यूथ कांग्रेस के महासचिव अमन स्लैच, कुलजीत सिंह बेदी और जंगप्रीत सिंह को नियुक्त किया है। वार रूम के डिजीटलाइजेशन का काम भी शुरू कर दिया गया है, जिसके तहत डाटा इंटेलिजेंस यूनिट, पॉलिटिकल इंटेलिजेंस यूनिट, ग्राउंड कैंपेन टीम, फ़ील्ड मैनेजमेंट टीम, सोशल मीडिया प्रबंधन टीमों का गठन किया जाएगा।

सपा ने भाजपा पर किया जोरदार हमला

सपा व कांग्रेस के नेताओं ने सोमवार को शहर में अयोध्या मंदिर उत्सव से दूरी बनाए रखी। भाजपाई इवेंट का हवाला दे रहे नेताओं ने अकेले मंदिरों में जाकर पूजा की लेकिन सैकड़ों - हजारों की भीड़ से से बचते रहे। हर गली-मोहल्ले और चौराहे पर भंडारे, मंदिरों में पूजा समारोह और अयोध्या से सजीव प्रसारण का नजारा दिखाई दिया। हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ में भाजपा के सांसद, विधायक से लेकर महापौर, पार्षद तक सभी दिखे लेकिन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस नेताओं ने इससे दूरी बनाए रखी। समाजवादी पार्टी ग्रामीण के एक नेता ने बताया कि उन्होंने अपने घर में पूजा -अर्चना के बाद शिव जी के मंदिर में जाकर भी माथा टेका है। आज का आयोजन भाजपाई इवेंट है। राजनीति में धर्म का घालमेल नहीं होना चाहिए। राम सभी के हैं और कण -कण में हैं। कांग्रेस नेता विकास अवस्थी ने भी यही बात दोहराई। बताया कि सुबह परिवार समेत घर में भगवान श्रीराम की पूजा की है। रामरक्षा स्त्रोत का पाठ किया है। राजनीति के लिए धर्म का दिखावा नहीं करते हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनिल पांडेय ने बताया कि हर सोमवार की तरह आज भी घर पर रुद्राभिषेक किया है। सामाजिक कार्यों में शामिल हो रहे हैं। अयोध्या में मंदिर निर्माण सुप्रीम कोर्ट के आदेश से हो रहा है। इसका राजनीतिक फायदा लेना उचित नहीं है।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अपनी खुशी के लिए दूसरों को परेशान करना अनुचित

राजस्थान उच्च न्यायालय ने अयोध्या में राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह के जश्न के कारण जोधपुर की सड़कों पर यातायात जाम और रुकावटों के लिए पुलिस और जिला प्रशासन की आलोचना की। सड़क अवरोधों और अवरोधों के कारण होने वाली अव्यवस्था पर स्वत: संज्ञान लेते हुए, न्यायमूर्ति दिनेश मेहता की पीठ ने जोर दिया, पूरा देश अयोध्या में स्थित राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मना रहा है।

राजस्थान न्यायलय ने समाज को आइना दिखाते हुए एक टिप्पणी की है। कोर्ट ने धार्मिक समारोहों के लिए सर्वाजनिक स्थानों पर अवरोध करने को गलत ठहराया है। उसने कहा कि आयोजकों को ध्यान देना चाहिए कि इस तरह के कार्यक्रमों से किसी को कोई परेशानी न हो। असली उत्सव तब होगा जब समाज उन आदर्शों और गुणों का सम्मान और अनुसरण करेगा जिन्हें भगवान राम ने अपनाया और मर्यादा पुरूषोत्तम राम की एक आदर्श व्यक्ति के रूप में पूजा की जाती है। राजस्थान उच्च न्यायालय ने अयोध्या में राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह के जश्न के कारण जोधपुर की सड़कों पर यातायात जाम और रुकावटों के लिए पुलिस और जिला प्रशासन की आलोचना की। सड़क अवरोधों और अवरोधों के कारण होने वाली अव्यवस्था पर स्वत: संज्ञान लेते हुए, न्यायमूर्ति दिनेश मेहता की पीठ ने जोर दिया, पूरा देश अयोध्या में स्थित राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मना रहा है। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान भावनाओं को स्वीकार करते हुए, न्यायालय ने चिंता व्यक्त की कि सड़कों, विशेषकर उच्च न्यायालय के मार्ग को अवरुद्ध करना, न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप है। यह विडंबनापूर्ण है कि जहां भगवान राम ने लंका तक पहुंचने के लिए एक पुल बनाया था, वहीं लोगों ने रास्ता अवरुद्ध कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप पूरी तरह से सड़क अवरुद्ध हो गई है और गतिरोध उत्पन्न हो गया है।

न्यायालय ने पाया कि प्रशासन या कुछ व्यक्तियों ने बैरिकेड्स लगा दिए थे, जिससे शहर, उच्च न्यायालय, न्यायिक अकादमी और पाली और सिरोही जैसे अन्य स्थानों को जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग पर अराजक स्थिति पैदा हो गई और पूरी तरह से यातायात जाम हो गया। इसने पुलिस आयुक्त और जिला कलेक्टर से जवाब मांगा कि क्या ये अवरोधक प्रशासन द्वारा लगाए गए हैं और क्या ऐसा करने के लिए कोई अनुमति दी गई थी। न्यायालय ने निर्देश दिया, जिला कलेक्टर और पुलिस आयुक्त को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है कि भविष्य में सड़कों, विशेष रूप से उच्च न्यायालय की ओर जाने वाली सड़क को किसी भी जुलूस, धरना और धार्मिक समारोहों के नाम पर अवरुद्ध न किया जाए। अधिकारियों ने अदालत को सूचित किया कि रुकावटें हटा दी गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप यातायात का प्रवाह मुक्त हो गया है। भारत में इस तरह की समस्याएं केवल राजस्थान में ही नहीं है। ये सड़कों पर समारोह करने का चलन यूपी या कहे उत्तर भारत में है। इसकी वजह ये कभी कभी एंबुलेंस जैसे वाहनों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अब वैज्ञानिक प्रयासों से रहस्य खोलने का वक्त

अभिषेक कुमार सिंह

अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के आयोजन से पहले आध्यात्मिक यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु के अरिचल मुनाई पहुंचे। माना जाता है कि अरिचल मुनाई ही वह स्थान है, जहां रामसेतु का निर्माण हुआ था। प्राण-प्रतिष्ठा से पहले रामसेतु तक पहुंचने के संकेत समझें, तो कह सकते हैं कि निकट भविष्य में मोदी सरकार इस विरासत को सहेजने और इसे अपना स्थान दिलाने का प्रयास कर सकती है। लेकिन प्रश्न है कि क्या रामसेतु एक वास्तविकता है। क्या यह प्राकृतिक संरचना है या मनुष्य निर्मित- जैसा कि रामायण के प्रसंग बताते हैं। तमिलनाडु के पंबन द्वीप को श्रीलंका के मन्नार द्वीप से जोड़ने वाली इस संरचना या राम सेतु का संबंध रामायण से है। हालांकि यह सवाल उठ रहा है कि यह पुल मनुष्य निर्मित है या प्राकृतिक। पांच हजार ईसा पूर्व रामायण काल के समय और रामसेतु के कार्बन विश्लेषण में एक समानता दिखती है।

ऐसा दावा किया जाता है कि पंद्रहवीं सदी तक 48 किलोमीटर लंबे इस पुल को पैदल चलकर पार किया जा सकता था। कुछ साक्ष्यों के मुताबिक, वर्ष 1480 तक पुल समुद्र तल से ऊपर था। रामसेतु को लेकर बड़ा विवाद यूपीए सरकार के समय पैदा हुआ, जब सेतुसमुद्रम परियोजना के अंतर्गत इस पुल के चारों ओर ड्रेजिंग यानी खुदाई करने का प्रस्ताव दिया गया था। ताकि यहां से बड़े जहाज निकल सकें। लेकिन विवाद के बाद परियोजना रोक दी। इसके स्थान पर वर्ष 2021 में केंद्र सरकार ने रामसेतु की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए एक अनुसंधान परियोजना को मंजूरी दी थी। इस परियोजना का प्रस्ताव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के तहत पुरातत्व पर केंद्रीय सलाहकार बोर्ड ने दिया था, जिसमें सीएसआईआर-एनआईओ को यह अनुसंधान करना था। परियोजना का एक उद्देश्य यह जानना था कि रामसेतु के रूप में भारत और श्रीलंका के बीच पत्थरों की श्रृंखला कब और कैसे लगाई गई थी। इस अध्ययन में भूवैज्ञानिक काल और अन्य सहायक पर्यावरणीय आंकड़ों के लिए कई तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है।

विशेष रूप से मूंगा वाले कैल्शियम कार्बोनेट के अध्ययन से संरचना निर्माण के काल का पता लगाया जा रहा है। ऐसी परियोजना का एक राजनीतिक के बजाय धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व कहीं ज्यादा है। 'रामायण' के अनुसार

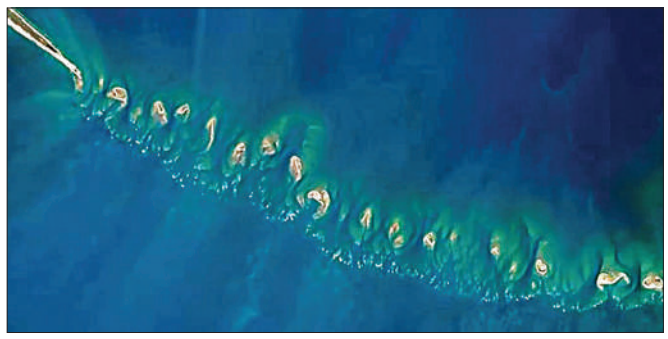

वानर सेना ने श्रीराम और उनकी सेना को लंका तक पहुंचाने और माता सीता को रावण के चंगुल से छुड़ाने के उद्देश्य से समुद्र पर पुल बनाया था। चूना पत्थरों को जोड़कर 48 किलोमीटर की इस श्रृंखला को प्राकृतिक संरचना न कहकर रामसेतु कहने के पीछे आशय यह दावा है कि यह मानव निर्मित है। हालांकि वर्ष 2007 में एएसआई ने कहा था कि इसका कोई सबूत नहीं है लेकिन बाद में, इस संस्था ने सर्वोच्च न्यायालय में यह हलफनामा वापस ले लिया था। आज भी पुरातत्वविदों और वैज्ञानिकों के बीच रामायण के काल को लेकर बहस कायम है। रामसेतु और उसके आसपास पानी के नीचे पुरातात्विक अध्ययन करने की उक्त परियोजना का उद्देश्य बहस को निश्चित परिणाम तक पहुंचाना है। असल में जिस प्रकार एएसआई रामसेतु की वास्तविकता को लेकर भ्रमित रहा है, उसी तरह कई सवाल अन्य लोगों और वैज्ञानिकों की ओर से उठाए जाते रहे हैं। वर्ष 2007 में अमेरिका के एक साइंस टीवी चैनल पर कार्यक्रम प्रसारित किया गया, जिसमें अमेरिकी भूवैज्ञानिकों के हवाले से यह दावा करते दिखाया गया कि भारत के रामेश्वरम के पंबन द्वीप से श्रीलंका के मन्नार द्वीप के बीच समुद्र के भीतर पुल की तरह दिखने वाली यह संरचना मानव निर्मित है। रामसेतु को एडम्स ब्रिज भी कहा जाता है। धार्मिक प्रसंगों की बात करें तो रामसेतु का जिक्र तुलसीकृत रामचरित मानस और वाल्मीकि रामायण, दोनों में है। हिंदू आस्था सदियों से इस सेतु के अस्तित्व के बारे में और इसे वानर सेना द्वारा निर्मित किए जाने की पक्षधर है। लेकिन एक अन्य मत है कि यह सेतु सिर्फ मिथक है। दरअसल, इस पुल के सिर्फ मिथक होने की बात अमेरिकी स्पेस एजेंसी द्वारा लिए गए चित्रों से खंडित हो चुकी है।

एक दावा यह भी है कि 14 दिसंबर, 1966 को नासा के उपग्रह जेमिनी-11 ने स्पेस से एक चित्र लिया था, जिसमें समुद्र के भीतर इस स्थान पर पुल जैसी संरचना दिख रही है। इस चित्र को लिए जाने के 22 साल बाद 1988 में अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन ने भी रामेश्वरम और श्रीलंका के जाफना द्वीप के बीच समुद्र के अंदर मौजूद इस संरचना का पता लगाया था और चित्र लिया था। भारतीय उपग्रहों से भी लिए गए चित्रों में धनुषकोडि से जाफना तक नजर आती पतली-सी द्वीपों की रेखा से पता चलता है कि वहां एक पुल था। हालांकि इन चित्रों के विश्लेषण के बाद नासा ने कहा था कि ये तस्वीरें मानव निर्मित पुल साबित नहीं करती हैं।

दोयम दर्जा नागरिक बनाने की नर्सरियां

राजेश रामचंद्रन

राम मंदिर को लेकर चंहुओर बना अति उत्साह इतना अधिक है कि 75वें गणतंत्र दिवस के समारोह की खबरें सुनाई नहीं दे रही हैं। एक छोटा उदाहरण बताएं तो नोएडा स्थित सिविल सर्वेंट्स को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी ने भी 22 जनवरी को अपने परिसर के भीतर एक मंदिर का उद्घाटन करने की घोषणा की है, अब लेखाकार विभाग से सेवानिवृत्त अनेक अधिकारी धार्मिकता और आधुनिकता के बीच संतुलन साधने को लेकर हैरान हैं। मंदिर राजनीति से इतर, गणतंत्र दिवस की हीरक जयंती अवसर है ठिठककर मुल्क की स्थिति का जायजा लेने का। चांद पर लैंडिंग, उत्तरी एवं पूर्वी सीमाओं पर सैनिकों की आमने-सामने डटने की स्थिति, यूक्रेन युद्ध से बिगड़ता नाजुक राजनयिक संतुलन, पश्चिम एशिया में टाइम-बम सरीखे हालात और विश्वभर में गिरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच यदि भारतीय व्यवस्था कायम है तो यह चमत्कार किसी को भी हैरान होने को मजबूर करेगा। यह उपलब्धि विचारणीय और बाध्यकारी अवयवों के आलोक में छोटी नहीं है जबकि आजादी के पहले ही दिन से इन्होंने राष्ट्र को जन-कलहों की ओर धकेलना शुरू कर दिया था।

संकुचित होते और नए उभरते साम्राज्य ने भारत के टुकड़े करने की साजिश रची और देश के प्रत्येक हिस्से में पृथकतावाद के बीच बोए। लेकिन जो शुरुआत अच्छी तरह सोची-समझी योजना से हुई वह अब तमाशे में तब्दील होती जा रही है। मसलन, औपनिवेशिक काल में, 1942 में 'अधिकारी सिद्धांत' जैसे विचारों ने धार्मिक पृथकतावाद को न्यायसंगत बताने की बहुतेरी कुतार्किक कोशिशें की, यहां तक कि अभी भी कट्टर मार्क्सवादी अपनी बेवसाइट्स चलाने की खातिर पश्चिमी या चीनी वित्तीय सहायता पर निर्भर हैं- यह बताने की आवश्यकता नहीं कि 'डंकी रूट' के जरिये आप्रवासियों को अमेरिका में राजनीतिक शरण पाने की खातिर अमृतपाल सिंह की वीडियो फैलाने और खालिस्तानी नारे लगाने को कहा जाता है।

भारतीय गणतंत्र और संविधान ने अपना मुकाम पाने को बहुत संघर्ष किया, कठिनाइयां सही और जिस किस्म का देश बनाने का विचार हमारे संस्थापक पितामहों का था, उससे हटाने को, अंदरूनी एवं बाहरी दबावों के प्रयासों के बीच उसने अपना वजूद बनाए रखा। राष्ट्र की आत्मा, यदि कोई है, उसकी कामना कलह, अलगाव और लालच की बजाय सामूहिक समृद्धि की होगी। यहां तक कि जनसंख्या के एक बड़े वर्ग की बहुसंख्यकवादी प्रवृत्तियां उनकी अपनी आकांक्षाओं से प्रभावित होती दिखाई दे रही हैं। आखिरकार शांति समृद्धि के लिए पूर्व-शर्त है। और एक राष्ट्र निरंतर खुद से लड़ना गवारा नहीं कर सकता। लेकिन एक भयावह अवयव है जोकि राष्ट्रीय महानता की तमाम उम्मीदों को धराशायी कर सकता है। एक कड़वी हकीकत राज्य एवं केंद्र सरकारों के सामने मुंह बाए खड़ी है : ग्रामीण विद्यालयों का शोचनीय शिक्षा स्तर, जिनमें अधिकांश सरकारी हैं। एक गैर सरकारी संगठन 'प्रथम फाउंडेशन' द्वारा किया गया हालिया सर्वे, जिसके परिणाम 'वार्षिक शिक्षा रिपोर्ट 2023' में प्रकाशित हुए हैं, हमारे ग्रामीण युवावर्ग की वास्तविक काबिलियत के स्तर को उजागर करती है। पुराने वक्त के बरक्स केवल नाममात्र की साक्षरता बनाने को बहुतेरा धन लगाया जा रहा है, आज गांव-देहात में स्कूलों की कमी नहीं है।

सर्वे के अनुसार, 14 से 18 साल के बीच 86.8 फीसदी देहाती बच्चे शिक्षा संस्थानों में दाखिल हैं - अधिकांशत: सरकारी स्कूलों में। लेकिन इन छात्रों का बड़ा हिस्सा किताब सही ढंग से नहीं पढ़ पाता ,न ही उसे अच्छी तरह गणित आता है और न समय की गणना। यह राष्ट्र पर असरकारक किसी अन्य संकट से कहीं ज्यादा बदतर और एक टाइम बम जैसा है। भारत की असल ताकत हमेशा द्वितीय श्रेणी के शहरों और ग्रामीण अंचल में निहित रही है। यदि वे निराशाजनक रूप से रोजगार के अयोग्य युवा पैदा करने जा रहे हैं तो गणतंत्र का कोई भविष्य नहीं है। उदाहरणार्थ, पंजाब और हरियाणा में बच्चों का निम्न दर्जे का प्रदर्शन है। पंजाब में 14-18 वर्ष के बीच स्कूल दाखिला 88.7 प्रतिशत है, लेकिन आधे से ज्यादा छात्रों को सरलतम गुणा-भाग तक नहीं करना आता। वहीं 14-16 आयु वर्ग में 17 फीसदी लड़के पंजाबी में दूसरी कक्षा में लगी पुस्तक की पंक्तियां अच्छी तरह नहीं पढ़ पाते। जो कुछ उन्हें सातवें साल में सीख लेना चाहिए था, वह 16वें बरस में भी नहीं कर पा रहे। इन लड़कों में 20 फीसदी को तो पहली कक्षा की किताब से पूछे सवालों का जवाब तक नहीं आता।

वहीं 17-18 आयु वर्ग में लगभग आधों को समय की गणना करनी नहीं आती तो 84.9 प्रतिशत से कर्ज अदायगी की गणना नहीं की गई। बता दें, 14-16 की आयु तक वे अधिकांश लड़के सरकारी स्कूलों में पढ़े, लेकिन 17-18 की उम्र में ज्यादातर ने निजी शिक्षा संस्थानों में दाखिला लिया, इसलिए सारा दोष सरकारी स्कूलों पर नहीं मढ़ा जा सकता। हरियाणा में भी स्थिति इतनी ही निराशाजनक है। यहां 14-16 आयु वर्ग के 17 फीसदी लड़के दूसरी कक्षा की पुस्तक की पंक्तियां ठीक से नहीं पढ़ पाते तो 17-18 की उम्र वालों का प्रतिशत 14.8 रहा। लड़कियों की हालत कुछ बेहतर रही। चौंकाने वाली बात कि 17-18 आयुवर्ग में 45 प्रतिशत लड़कों से गणित में सरल भाग तक करना नहीं आया तो इसी वर्ग में 76 फीसदी को ऋण अदायगी की गणना करनी नहीं आती। लड़कियों की स्थिति भले ही कुछ बेहतर है, लेकिन उनमें भी कमोबेश स्थिति भयावह है।

डिजिटल डिटॉक्स

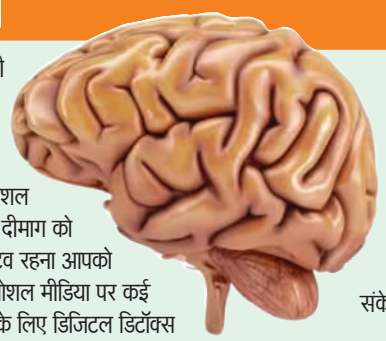

हमारे दिन का बहुत बड़ा हिस्सा फोन या लैपटॉप की स्क्रीन के सामने बीतता है, जिससे मेंटल थकान बढ़ सकती है। इसके साथ ही, सोशल मीडिया पर होता इंफॉर्मेशन बॉम्बर्डमेंट भी आपको दिमागी तौर पर थकावट का शिकार बना सकती है। इसलिए सोशल मीडिया से ब्रेक और स्क्रीन टाइम कम करने से भी दीमाग को फ्रेश महसूस होगा। सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव रहना आपको नेगेटिविटी की तरफ ले जा सकता है। दरअसल, सोशल मीडिया पर कई चीजें चलती रहती हैं। ऐसे में जब आप कुछ समय के लिए डिजिटल डिटॉक्स करेंगे, तो इससे आपके दिमाग पर पॉजिटिव असर पड़ सकता है।

भरपूर नींद लें

दिन भर की थकान को दूर करने के लिए रात को सुकून भरी नींद लेना बहुत जरूरी है। इसलिए रोज 7 से 8 घंटे की नींद जरूर लें। इससे आपके दिमाग को रेस्ट करने का मौका मिलेगा और आप बेहतर तरीके से काम कर पाएंगे। भोजन और व्यायाम की तरह ही नींद भी हमारी सेहत का स्तंभ है। यदि आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है तो ऐसे संकेत आपको नजर आ सकते हैं। और अच्छी नींद पाने के लिए आपको अतिरिक्त प्रयास भी करने होंगे।

ब्रेन को भी दें आराम

दिमाग को ऐसे करें रिलैक्स

घर से लेकर ऑफिस तक कई बातों की चिंता हमारे दिमाग में घर किए बैठी रहती है। इस वजह से दिमाग थक जाता है और हमारी रोजमर्रा की जिंदगी काफी प्रभावित होती है। हम अपने रोज के कामों पर ध्यान नहीं दे पाते। यह हमारी कार्य क्षमता को कम कर सकता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि हम अपने दिमाग को रेस्ट दें और ऐसी एक्टिविटीज को अपने रूटीन में शामिल करें जिससे ब्रेन रिजूवमेट हो सके। इससे आपके दिमाग की थकावट भी कम हो जाएगी। हमारी लाइफस्टाइल की वजह से हमारा दिमाग थकान का शिकार हो सकता है। नेचर ने समय बिताना और मेडिटेट करना काफी फायदेमंद हो सकता है। डिजिटल डिटॉक्स और सोशल कनेक्शन की मदद से भी दिमाग को रिलैक्स महसूस करने में मदद मिल सकती है। इसके लिए आप कुछ ऐसी एक्टिविटीज कर सकते हैं, जिनसे इसमें आपको मदद मिलेगी।

प्राकृति में समय बिताएं

नेचर में समय बिताना आपकी मेंटल हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसलिए कोशिश करें कि आप अपने दिन का थोड़ा समय या फिर हफ्ते में दो-तीन दिन किसी ऐसी जगह पर बिताएं, जहां आस-पास हरियाली हो। इससे आप काफी रिफ्रेशिंग महसूस करेंगे।

सोशल कनेक्शन

सोशल कनेक्शन यानी अपने दोस्तों और परिवारजनों के साथ समय बिताएं। कहीं घूमने जा सकते हैं या बात-चीत करके उनके साथ समय बिता सकते हैं। इससे आप अकेलेपन, तनाव आदि जैसी फीलिंग्स को कम कर पाएंगे और आपको बेहतर महसूस होगा।

मेडिटेशन

मेडिटेशन करने से आपके दिमाग में चल रही उलझन को सुलझाने का मौका मिलता है। इससे आपका तनाव कम होगा और आप अधिक रिलैक्स महसूस करेंगे। इसलिए आप भी मेडिटेट करने की कोशिश करें। शुरुआत में यह थोड़ा मुश्किल महसूस होता है, लेकिन यह काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके लिए सुबह बच्चे के स्कूल व पति के ऑफिस जाने और दिन भर के घरेलू कामों से निपटने के बाद आप एक शांत कोने में बैठकर ध्यान करें। अगर आपके घर में गार्डन या पौधों से भरी बालकनी है तो थोड़ा खाली समय वहां बिताएं। प्रकृति सभी तरह की परेशानियों से लड़ने के लिए आपके दिमाग को शांत करने में मदद करती है। हो सके तो वहीं ध्यान करें।

हंसना मना है

हवाई जहाज उड़ते ही एयर होस्टेस ने बल्लभ जी को कुछ टॉफी जैसी दवा लाकर थमा दी। ये किसलिए हैं? 'ये वायुयान ने नीचे उतरते वक्त आपके कानों की मदद के लिए हैं, तकि कानों में वायु दबाव स्थिर रहे। जब हवाई जहाज उतरा तो उसने बल्लभ जी से पूछा-'क्या टाफियों ने कुछ मदद की? 'कुछ विशेष नहीं। हां, जरा ये तो बताइए कि इन्हें कान में से कैसे निकालूं।

बस में युवती चढ़ी। कुछ देर बाद सीट से एक युवक उठने लगा तो युवती ने उसे ये कहकर बैठा दिया -'आप बैठे रहें, मैं खड़ी होकर ही यात्रा कर लूंगी। इसी तरह दो-तीन बार हुआ, पर इस बार युवक से रहा नहीं गया और अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा-'आपके 'बैठे रहो' कहने के कारण मैं तीन स्टॉप आगे आ गया हूं, वरना मुझे तो खुद गांव के स्टॉप पर ही उतर जाना था।'

एक अविवाहित से उसके शादीसुदा मित्र ने पूछा-'आपने आज तक शादी क्यों नहीं की? उसने मुस्कराते हुए उत्तर दिया-'जाको राखे साइयां, मार सके ना कोय।

राजेश-'चुनाव में स्वस्थ अभियान कब होता है? दिलीप-'जब एक उम्मीदवार दूसरे के बारे में झूठ बोलना छोड़ दे एवं दूसरा भी पहले के बारे में सत्य कहना बंद कर दे।

कहानी | खटमल और जूं

यह कहानी कई वर्ष पुरानी है। उस समय दक्षिण भारत में एक राजा राज किया करता था। राजा के बिस्तर में मंदरीसर्पिणी नाम की एक जूं रहा करती थी, लेकिन इस बारे में राजा को कोई जानकारी नहीं थी। हर रात जब राजा गहरी नींद में सो जाता, तो जूं अपने घर से बाहर निकलती, बड़े चाव से पेट भरकर राजा का खून चूसती और दोबारा जाकर छिप जाती। एक दिन न जाने कहां से उस राजा के बिस्तर में अग्निमुख नामक एक खटमल भी घुस आया। जब जूं ने उसे देखा, तो उसे बहुत गुस्सा आया कि उसके इलाके में एक खटमल घुस आया है। जूं उसके पास गई और उससे तुरंत वापस चले जाने को कहा। इस पर खटमल बोला, अरे जूं बहना, इस तरह का व्यवहार तो कोई अपने दुश्मन के साथ भी नहीं करता। मैं बहुत दूर से आया हूं और सिर्फ एक रात तुम्हारे घर रुक कर आराम करना चाहता हूं। कृपया मुझे यहां रुकने दो। खटमल की बातें सुनकर जूं का दिल पिघल गया। उसने कहा, ठीक है, तुम यहां रुक सकते हो, लेकिन तुम्हारे कारण राजा को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। तुम राजा के आसपास भी नहीं जाओगे। जूं बहन, मैं बहुत दूर से आया हूं और बहुत भूखा हूं। वैसे भी, हर रोज कहां राजा का मीठा खून पीने का मौका मिलता है। कृपया मुझे आज रात राजा के खून का स्वाद चखने का मौका दे दो, खटमल ने विनती करते हुए कहा। जूं, खटमल की बातों में आ गई और उसने उसे राजा का खून चूसने की इजाजत दे दी। ठीक है, तुम राजा के खून का भोजन कर सकते हो, लेकिन उससे पहले तुम्हें राजा के गहरी नींद में सो जाने का इंतजार करना होगा। जब तक राजा पूरी तरह सो नहीं जाता, तब तक तुम उसे नहीं काट सकते, जूं ने कहा। इस पर खटमल ने हां कर दिया और दोनों रात होने का इंतजार करने लगे। रात होते ही राजा अपने कमरे में आया और सोने की तैयारी करने लगा। राजा का शरीर बहुत तंदुरुस्त था और उसकी तोंद बहुत मोटी थी। यह देख कर खटमल के मुंह में पानी आ गया। जैसे ही राजा बिस्तर पर आकर लेटा, खटमल ने न आव देखा न ताव और सीधे जाकर राजा की मोटी तोंद पर जोर से काट लिया और फिर दौड़ कर पलंग के नीचे छिप गया। राजा दर्द के मारे चीख उठा और तुरंत अपने सिपाहियों को कमरे में बुला लिया। राजा ने सिपाहियों को आदेश दिया, सिपाहियों, इस बिस्तर में जरूर कोई खटमल या जूं है। उसे तुरंत ढूंढो और मार डालो। राजा के सिपाहियों ने बिस्तर पर ढूंढना शुरू किया, तो उन्हें बिस्तर में छिपी जूं मिल गई। उन्होंने तुरंत उस जूं को मार डाला और खटमल बच निकला। इस प्रकार खटमल की गलती के कारण बेचारी जूं मारी गई।

7 अंतर खोजें

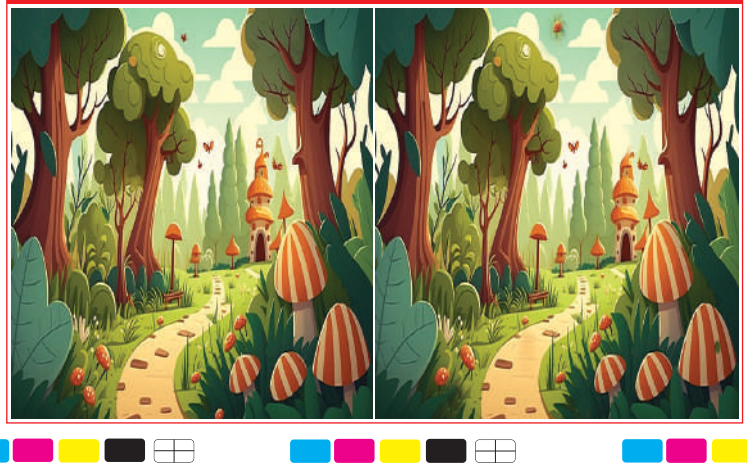

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुसंगति से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी।

वृषभ

अध्यात्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का मौका हाथ आएगा। सुख-शांति बने रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल चलेगा। मित्रों का सहयोग लाभ में वृद्धि करेगा।

मिथुन

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा।

कर्क

बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। समय पर बाहर से धन नहीं मिलने से निराशा रहेगी। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें।

सिंह

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कन्या

पुराने साथियों तथा रिश्तेदारों से मुलाकात सुखद रहेगी। अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। किसी नए उपक्रम को प्रारंभ करने पर विचार होगा।

तुला

कारोबार से लाभ होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। अज्ञात भय रहेगा। अनहोनी की आशंका रहेगी।

वृश्चिक

फालतू खर्च होगा। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई भी निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

धनु

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम हाथ में आएंगे। कारोबारी वृद्धि से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

मकर

योजना फलीभूत होगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। मेहनत सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

कुम्भ

राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

मीन

नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। नए काम मिल सकते हैं।

रवीना टंडन से भिड़ने आ रहीं नम्रता

अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज गिल्टी माइंड्स के बाद अभिनेत्री नम्रता शेठ इस बार डिज्नी प्लस हॉटस्टार की सीरीज में कर्मा कालिंग में दमदार भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में कर्मा तलवार की भूमिका निभा रही नम्रता शेठ का कहना है कि इस भूमिका को हासिल करने के लिए उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ा। इस सीरीज में उनका किरदार अभिनेत्री रवीना टंडन के किरदार इंद्राणी चौधरी के साथ भिड़ता नजर आएगा।

वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग के बारे में अभिनेत्री नम्रता शेठ कहती हैं, इस सीरीज में कर्मा तलवार की भूमिका के लिए मुझे कई दौर के ऑडिशन से गुजरना पड़ा क्योंकि यह एक ऐसी भूमिका थी जिसे मैं वास्तव में करना चाहती थी। कर्मा तलवार की ऐसी भूमिका है, जिसके साथ बहुत बुरा हुआ है, जिसका वह बदला लेना चाहती है। कर्म कभी माफ नहीं करता, कभी न कभी कर्म का फल सबको भुगतना पड़ता है। मुझे इस किरदार से बहुत जुड़ाव महसूस हुआ। जब सीरीज की डायरेक्टर रुचि नारायण मुझसे मिली, तो उन्हें तुरंत लगा कि मैं कर्मा तलवार हो सकती हूं। वेब सीरीज गिल्टी माइंड्स 2022 अप्रैल में रिलीज हुई थी और कर्मा कॉलिंग के लिए जून जुलाई में ऑडिशन दिया और अगस्त में इस शो के लिए फाइनल हुई थी काफी लम्बा ऑडिशन प्रोसेस था।

अभिनेत्री रवीना टंडन के साथ अपने काम करने के अनुभव को साझा करते हुए नम्रता सेठ कहती हैं, रवीना मैडम से हर छोटी सी छोटी चीज सीखने को मिली। उनके पास कई सालों का बड़ा अनुभव है। उनके लुक्स और अदाओं को देखना मेरे लिए बहुत ही अद्भुत अनुभव रहा है। गिल्टी माइंड्स में ज्यादातर हैंड हेल्ड (कैमरे को हाथ में लेकर शूटिंग की प्रक्रिया) शॉट थे। लेकिन इस शो में सही मार्क्स (सेट पर लाइटिंग करते समय हर कलाकार के लिए जमीन पर लाइटिंग के हिसाब से निशान लगाए जाते हैं) पर पहुंचकर अपने डायलॉग्स बोलने थे। डायलॉग का ध्यान रखती थी तो मार्क्स भूल जाती है और मार्क्स का ध्यान रखती थी तो डायलॉग्स भूल जाती थी, लेकिन रवीना मैडम ने धैर्य और पूरी सहजता से मेरा साथ दिया।

सीरीज के को-एक्टर के वरुण सूद के साथ नम्रता सेठ के लिंकअप की भी खबरें खूब चर्चा में हैं। हालांकि इस बारे में वरुण सूद और नम्रता सेठ ने कभी खुलकर बात नहीं की। दोनों एक दूसरे को दोस्त ही मानते हैं। सीरीज के ट्रेलर लांच के दौरान निर्माता आशुतोष शाह ने इनके बीच लिंक अप की खबरों की पोल खोल दी।

धनुष की फिल्म कैप्टन मिलर पर गहराया विवाद

साउथ सुपरस्टार धनुष की फिल्म कैप्टन मिलर थिएटर पर काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। फिल्म कैप्टन मिलर ब्रिटिश काल में घटी एक काल्पनिक कहानी पर आधारित है। वहीं फिल्म एक कॉन्ट्रोवर्सी से जुड़ गई है। दरअसल फिल्म मेकर्स पर कहानी चुराने पर आरोप लगा है।

धनुष की फिल्म कैप्टन मिलर को दर्शकों से काफी प्यार मिल रहा है। राइटर वेला राममूर्ति ने फिल्म मेकर्स पर आरोप लगाया है कि उन्होंने वेला राममूर्ति के उपन्यास की कहानी चुराई है। मीडिया से बात करते हुए वेला ने कहा- यह बहुत ही दुख की बात है कि फिल्म निर्देशक ने इस तरह मेरे उपन्यास की कहानी को चुरा करा फिल्म बनाई है।

राइटर वेला राममूर्ति कैप्टन मिलर के मेकर्स और डायरेक्टर से काफी दुखी है। राइटर ने कहा- किसी की बौद्धिक संपदा का चुना कहां का न्याय है। मैं तमिल सिनेमा निर्देशक यूनियन से इसकी शिकायत करूंगा। मुझे उम्मीद है कि मुझे न्याय मिलेगा।

कैप्टन मिलर लोगों को काफी पसंद आ रही है। फिल्म में धनुष का अलग अवतार देखने को मिल रहा है। फिल्म में उनकी एक्टिंग को काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म ब्रिटिश काल में घटी एक काल्पनिक कहानी को बेहद खूबसूरत तरीके से पर्दे पर दिखाया है।

बॉलीवुड | मन की बात

हर साल राम मंदिर दर्शन करने जाऊंगा : रजनीकांत

सोमवार, 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एक भव्य आयोजन किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभ अनुष्ठान किए और इस महत्वपूर्ण दिन पर राष्ट्र को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया, जिनमें हिंदी और दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग की कई मशहूर हस्तियां भी शामिल थीं। मेगास्टार रजनीकांत भी फ़िल्म इंडस्ट्री के कई अन्य सदस्यों के साथ समारोह में शामिल हुए। यह आयोजन वाकई भव्य था और रजनीकांत के लिए यह किसी सौभाग्य से कम नहीं था। रजनीकांत ने इस खास अवसर का जश्न मनाते हुए रामलला प्राण प्रतिष्ठा की खुशी भी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने अब हर साल राम मंदिर जाने की इच्छा जताई है। रजनीकांत ने कहा, यह एक ऐतिहासिक घटना थी और मैं बहुत भाग्यशाली हूं। हर साल अयोध्या जरूर आऊंगा। उद्घाटन समारोह के लिए रजनीकांत अग्रिम पंक्ति में बैठे थे और कार्यक्रम से पहले उन्हें अधिकारियों के साथ बातचीत करते देखा गया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मुकेश अंबानी को शुभकामनाएं भी दीं। उद्घाटन समारोह में रजनीकांत सफेद कुर्ता और बेज शॉल के साथ सादे अंदाज में नजर आए। इस अवसर के दौरान अभिनेता के वीडियो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गए। इंटरनेट पर वायरल एक वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रजनीकांत कार्यक्रम के दौरान हाथ जोड़कर एक-दूसरे का अभिवादन करते दिख रहे थे। इस कार्यक्रम में रजनीकांत के अलावा चिरंजीवी, राम चरण और ऋषभ शेट्टी सहित दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग के अन्य लोग शामिल हुए। चिरंजीवी ने अयोध्या की यात्रा करने से पहले हैदराबाद हवाई अड्डे पर उद्घाटन के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह एक दुर्लभ अवसर है। मुझे लगता है कि भगवान हनुमान, जो मेरे आराध्य हैं, उन्होंने मुझे व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया है। दूसरी ओर राम चरण ने समारोह से पहले कहा, यह एक लंबा इंतजार है, और हम सभी वहां आकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

क्या आपको मालूम है सांप अपनी जीभ बाहर क्यों निकालते हैं?

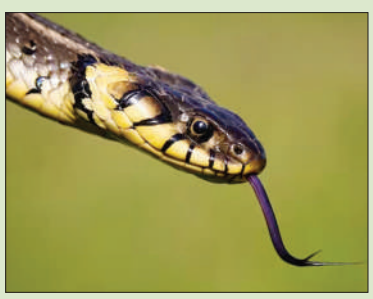

सांप सबसे जहरीले जीवों में से एक हैं। लेकिन अगर वे अपनी जीभ बाहर निकाल लें तो और भी खतरनाक लगते हैं। आपने अक्सर सांपों को ऐसा करते हुए देखा होगा। लेकिन कभी सोचा है कि सांप या उसकी प्रजाति के जीव बार-बार अपनी जीभ बाहर क्यों निकालते हैं। आइए जानते हैं इसके पीछे का साइंस।

लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर कोई सांप बार-बार अपनी जीभ बाहर निकाल रहा है, तो इसका मतलब है कि वह अपनी जीभ की सहायता से बाहर का वातावरण 'चख' रहा है। यानी सूंघकर आसपास का माहौल पता करने की कोशिश कर रहा है। अपने आसपास के माहौल को बेहतर ढंग से समझने की कोशिश कर रहा है।

सांपों की सुनने और देखने की क्षमता काफी कमजोर होती है। उन्हें कोई आवाज बहुत अच्छे सुनाई नहीं देती। संपेरा जब सांप के आगे बीन बजाता है, तब उसे देखकर ही वह उस पर झपटता है। लेकिन उनमें गंध सूंघने की क्षमता जबरदस्त होती है। अपने आसपास के शिकारियों का पता लगाने के लिए सांप जीभ का इस्तेमाल करते हैं। इसी से उनकी गंध सूंघ लेते हैं। जब एक सांप अपनी जीभ हिलाता है, तो वह हवा में तैरते छोटे-छोटे नमी के कणों में मौजूद गंधों को इकट्ठा कर लेता है। इसके बाद वजह जीभ को जैकबसन नामक एक अंग में डालता है, जो सांप के मुंह के ऊपरी हिस्से में होता है। कांटेदार जीभ के कांटे जैकबसन के दो छिद्रों में पूरी तरह से फिट हो जाते हैं। जीभ जैसे ही इन कणों को इस अंग में डालती है, वहां मौजूद कुछ केमिकल इनके अणुओं से जुड़ जाते हैं। ये रिसेप्टर्स सांप के मस्तिष्क को संदेश भेजकर बताते हैं कि गंध चूहे की है या फिर किसी अन्य जीव की। गंध की व्याख्या करने वाली संवेदी कोशिकाएं भी होती हैं। यह अंग गिरगिट और इगुआना सहित कुछ छिपकली प्रजातियों में भी पाया जाता है। इसलिए वे भी बार-बार जीभ बाहर निकालते हैं।

अजब-गजब | 10 लाख वर्ग किमी बढ़ गई इस देश की जमीन

ना खरीदा ना ही किसी देश पर कब्जा किया फिर भी बढ़ गई इस मुल्क की जमीन

दुनिया में आज किसी भी देश का नक्शा बदलना बहुत मुश्किल है। या तो जमीन के हिस्से को लेकर दो देश दावा करते है और उनका विवाद सुलझने पर नक्शा बदलता है। हाल ही में अमेरिका ने अपना नक्शा बदला है। इसके लिए ना तो उसका किसी देश से सीमा विवाद सुलझा है और ना ही उसने किसी देश पर कब्जा कर लिया है। पर नए नक्शे में अमेरिका की जमीन 10 लाख वर्ग किलोमीटर बढ़ गई। इसके लिए समुद्री जमीन को लेकर 20 साल पुराने अंतरराष्ट्रीय कानून की मदद ली गई है।

अमेरिका ने हाल ही में एतिहासिक कदम उठाते हुए आधिकारिक तौर पर अपना भौगोलिक क्षेत्र दस लाख वर्ग किलोमीटर बढ़ा लिया है। इस बढ़त से अलास्का का आकार अब पिछले आकार की तुलना में 60 फीसदी बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उपयोग करते हुए अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट ने समुद्र के अंदर के इलाकों को जमीन में शामिल किया है। इलाके के विस्तार के पीछे अमेरिका कॉन्टिनेंटल शेल्फ सीमाओं को वजह बताया जा रहा है। कॉन्टिनेंटल शेल्फ वह इलाका है जो समुद्री के अंदर का उथला तल कहा जाता है. दावा किया जा रहा है कि यही क्षेत्र बढ़ गया है। इसमें आधे से अधिक इलाका आर्कटिक क्षेत्र का बताया जा रहा है।

विस्तारित कॉन्टिनेंटल शेल्फ ही इस बदलाव का असली कारण है। अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत तटीय इलाकों वाले देश इन विस्तारित क्षेत्र पर अपना दावा कर सकते हैं जिससे उन्हें इस क्षेत्र के संसाधनों का उपयोग करने का कानूनी अधिकार मिल जाता है। ऐसा करने वाला अमेरिका अकेला देश नहीं है इससे पहले 75 से ज्यादा देश ऐसा कर चुके हैं।

इस मामले में अमेरिका के NOAA और अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे ने 2003 में काम करना शुरू किया था और बीते 19 दिसंबर को नया नक्शा तैयार हो सका। इसमें आर्कटिक के अलावा पूर्वी अटलांटिक, मरीना द्वीप, बेरिंग सागर और मैक्सिको की खाड़ी के दो इलाके हैं। अमेरिकी सरकार का दावा है कि इसमें रूस के साथ हुए समझौते के मुताबिक उसके किसी भी इलाके का अतिक्रमण नहीं हुआ है।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी, बोले-

कोई राम लहर नहीं, अयोध्या में मोदी जी का शो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। रामलला प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा, यह एक राजनीतिक कार्यक्रम था। यह पूछे जाने पर कि अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह के बारे में और वह देश में उत्पन्न हुई लहर का मुकाबला कैसे करेंगे, गांधी ने कहा, ऐसा कुछ नहीं है, कि कोई लहर है। मैंने पहले भी कहा था कि यह भाजपा का राजनीतिक कार्यक्रम और नरेंद्र मोदी जी ने वहां एक समारोह और एक शो किया, यह अच्छा है।

दरअसल, भारत जोड़ो न्याय यात्रा के 10वें दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक संवाददाता सम्मलेन को संबोधित किया। उन्होंने विपक्षी गठबंधन और आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की रणनीति का जिक्र किया। राहुल गांधी ने कहा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा के पीछे न्याय की सोच है। जिसके 5 स्तंभ हैं। 1. युवा न्याय 2. भागीदारी 3. नारी न्याय 4. किसान न्याय 5. श्रमिकों के लिए न्याय। इन सभी मुद्दों को ध्यान रखते हुए कांग्रेस पार्टी एक कार्यक्रम आपके सामने एक महीने में रखेगी।

हमें कमजोर मत समझना

राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान मंगलवार को गुवाहाटी में जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हमने बैरिकेड तोड़ दिए हैं, लेकिन हम कानून नहीं तोड़ेंगे। राहुल गांधी ने कहा हमें कमजोर मत समझना। हमने बैरिकेड तोड़ दिए हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता किसी से नहीं डरते। पार्टी कार्यकर्ताओं को राहुल गांधी ने %बब्बर शेर% बताया और बोले कि उन्होंने यूनिवर्सिटी में मेरा कार्यक्रम कैंसिल कर दिया, लेकिन छात्रों ने यूनिवर्सिटी के बाहर मेरी बात सुनी। हम असम में भाजपा को हराएंगे और जल्द ही कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। राहुल गांधी ने पुलिस की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि पुलिस सिर्फ उन्हें मिले आदेशों का पालन कर रही है। हम आपके खिलाफ नहीं हैं। हम सीएम के खिलाफ हैं, जो भ्रष्ट हैं, हमारी लड़ाई उनसे है।

आईएनडीआईए के पास हिंदुस्तान का तकरीबन 60 प्रतिशत वोट

विपक्षी गठबधन आईएनडीआईए को लेकर राहुल गांधी ने कहा, एक तरफ नरेंद्र मोदी-आरए है, दूसरी तरफ आईएनडीआए है। आईएनडीआईए एक विचारधारा, एक सोच है। आज आईएनडीआईए के पास हिंदुस्तान का तकरीबन 60 प्रतिशत वोट है। राहुल गांधी से जब पूछा गया कि जब यात्रा बंगाल पहुंचेगी तो क्या ममत बनर्जी उनके साथ जुड़ेंगी। इसका जवाब देते हुए कहा, हमने उन्हें निमंत्रण भेजा है। उन्हें जरूर आना चाहिए। वह आएंगी तो हमें अच्छा लगेगा। विपक्षी गठबंधन और बंगाल में सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा कि सीट शेयरिंग को लेकर हमारी बात चल रही है। हमारा संबंध बहुच अच्छे हैं।

कांग्रेस ने सिर्फ वोटबैंक की राजनीति की : जेपी नड्डा

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी ने देश की राजनीति की संस्कृति को बदल डाला है, क्योंकि 70 साल तक कांग्रेस पार्टी ने राजनीति जाति के आधार पर की। भाई को भाई से बांटकर की, सिर्फ वोटबैंक की राजनीति की। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने कहा कि भारत में सिर्फ 4 जातियां हैं- गरीब, युवा, किसान और महिलाएं। जेपी नड्डा ने कहा कि मुझे विश्वास है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में हम न सिर्फ जीतेंगे बल्कि पहले से ज्यादा सीटें भी हासिल करेंगे। गुजरात में हम सभी 26 सीटें जीतेंगे। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र कार्यालय का उद्घाटन करना गुजरात के सभी हिस्सों में विकास सुनिश्चित करने की हमारी पार्टी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम गुजरात को प्रथम रखना चाहते हैं और पीएम मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम भारत को प्रथम बनाना चाहते हैं!

27 से 31 तक सीएम हेमंत को ईडी समक्ष होना होगा पेश

» जारी हुआ नौंवा समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। ईडी ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को फिर से समन जारी किया है। यह समन जमीन घोटाला मामले में पूछताछ के लिए जारी किया गया है। समन के अनुसार, हेमंत सोरेन को 27 जनवरी से 31 जनवरी तक ईडी के सामने पेश होना होगा। ईडी द्वारा हेमंत सोरेन को जारी किया गया, यह नौंवा समन है। इससे पहले ईडी ने शनिवार को हेमंत सोरेन के आवास पर उनसे करीब सात घंटे तक पूछताछ की थी।

आठवें समन में ईडी ने 16 जनवरी से 20 जनवरी तक पूछताछ के लिए पेश होने को कहा था। इस पर हेमंत सोरेन ने 20 जनवरी को ईडी को उनके आवास पर पूछताछ के लिए आने को कहा था। ईडी के समन के खिलाफ सीएम हेमंत सोरेन सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुके हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हेमंत सोरेने की याचिका खारिज कर दी थी। झारखंड की राजधानी रांची में बजरा इलाके में 7.16 एकड़ जमीन से जुड़े कथित

भूमि घोटाले में हेमंत सोरेन से पूछताछ होनी है। इस मामले में अब तक 14 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। गिरफ्तार हाई प्रोफाइल लोगों में 2011 बैच के आईएएस अधिकारी छवि रंजन, भानु प्रताप प्रसाद, व्यवसायी अमित अग्रवाल और बिष्णु अग्रवाल शामिल हैं। इस मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने हेमंत सोरेन को कई समन जारी किए थे, लेकिन समन जारी होने के बाद भी हेमंत सोरेने पूछताछ के लिए पेश नहीं हो रहे थे। बीते शनिवार को ईडी के अधिकारियों की एक टीम ने हेमंत सोरेन के आवास पर जाकर ही उनसे कई घंटे पूछताछ की।

43 साल की उम्र में रोहन बोपन्ना बने नंबर वन खिलाड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेलबर्न। भारत के दिग्गज टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने आज इतिहास रच दिया है। बोपन्ना अपने ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए। पुरुष युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में दोनों ने मिलकर मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोल्तेनी की जोड़ी को हराया।

रोहन और एबडेन ने अर्जेंटीना की इस जोड़ी को 6-4, 7-6 (7-5) के अंतर से हराया। यह पहली बार है जब बोपन्ना ऑस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। क्वार्टर फाइनल में मिली जीत के साथ ही उन्होंने इतिहास भी रच दिया। वह पुरुष युगल टेनिस रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए। उन्होंने पहली बार यह उपलब्धि हासिल की। खास बात यह है कि वह पहली बार 43 साल की उम्र में शीर्ष पर पहुंचे हैं। बोपन्ना पहली बार नंबर-1 बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने अमेरिका के राजीव राम को पछाड़कर नया रिकॉर्ड बनाया। राजीव राम अक्तूबर 2022 में 38 साल की उम्र में अपने करियर में पहली बार ग्रेट ब्रिटेन के साथी जो सैलिसबरी को पीछे छोड़कर पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे।

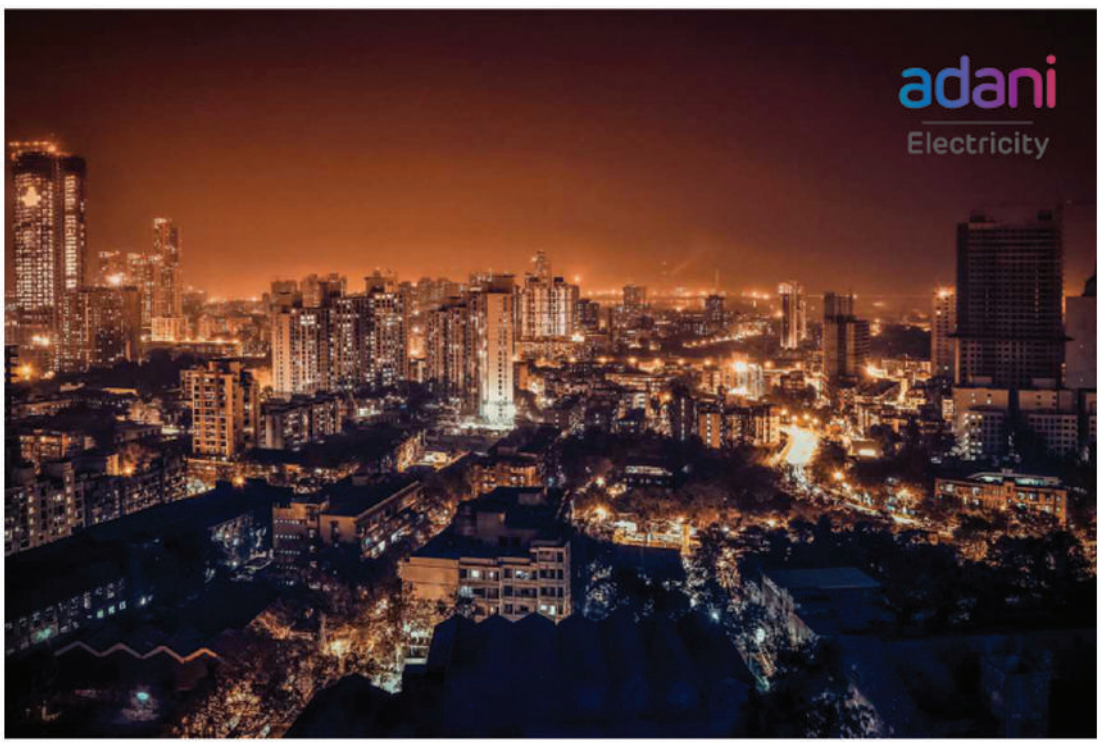

A brighter future or a hopeful ambition, the path towards empowerment or yet another lit kitchen is when the fruits of growth are sweeter than growth itself, and goodness fuels the journey forward. Adani Electricity Mumbai Ltd (AEML), a majority-owned subsidiary of Adani Transmission Ltd, is into Power Generation, Transmission and Retail Electricity Distribution. It serves over 12 million consumers spread across 400 sq. km in Mumbai and its suburbs with 99.9% reliability, one of the highest in the country. In the maximum city, dreams run the show, and for millions of Mumbaikars, the fast-paced life contrived to realise them is powered by an uninterrupted supply of electricity. As Mumbai's largest and most efficient power distribution network, Adani Electricity meets close to 2,000 MW of power demand. It provides world-class customer care services with the help of advanced technologies. Adani Electricity plans to expand its presence in newer geographies in pursuit of India's vision of 'Power for All.'

जाति जनगणना कराना कर्पूरी ठाकुर को सच्ची श्रद्धांजलि : कांग्रेस

कांग्रेस ने जननायक को भारत रत्न देने के फैसले का किया स्वागत

भाजपा पर कांग्रेस का तंज कहा- बीजेपी जाति आधारित जनगणना से भाग रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जननायक कर्पूरी ठाकुर की आज 100वीं जन्म जयंती है। इस अवसर पर बिहार समेत पूरे देश में उन्हें याद किया जा रहा है। जयंती से एक दिन पहले यानी कल शाम को मोदी सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न देने का ऐलान किया है। पीएम मोदी ने सरकार के फैसले का स्वागत किया है। लेकिन लोकसभा चुनाव से पहले लिए गए मोदी सरकार के इस फैसले पर अब सियासत भी शुरू हो गई है। कांग्रेस ने भी कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने के फैसले का स्वागत किया है। हालांकि, पार्टी ने इसके ऐलान को जातिगत जनगणना के मुद्दे से जोड़ते हुए भाजपा पर तंज भी कसा। कांग्रेस ने कहा कि जाति आधारित जनगणना कराना ही ठाकुर को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकारी इससे भाग रही है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि भारत रत्न देने का मोदी सरकार का फैसला उसकी हताशा और पाखंड को भी दिखाता है, क्योंकि वह राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना से इनकार कर रही है। रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि सामाजिक न्याय के प्रणेता जननायक कर्पूरी ठाकुर को 'भारत रत्न' दिया जाना भले ही मोदी सरकार की हताशा और पाखंड को दर्शाता है, फिर भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न दिए जाने का स्वागत करती है।

राहुल गांधी लगातार कर रहे जातिगत जनगणना की वकालत

कांग्रेस नेता ने कहा कि भागीदारी न्याय भारत जोड़ो न्याय यात्रा के पांच स्तंभों में से एक है, इसके आरंभिक बिंदु के रूप में जातिगत जनगणना की जरूरत होगी। रमेश ने कहा कि राहुल गांधी लगातार इसकी वकालत करते रहे हैं, लेकिन मोदी सरकार ने सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना 2011 के नतीजे जारी करने से भी इनकार कर दिया है और एक नई राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना कराने से भी इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों को भागीदारी देने के लिए जातिगत जनगणना कराना ही सही मायनों में जननायक कर्पूरी ठाकुर को सबसे उचित श्रद्धांजलि होती, लेकिन मोदी सरकार इससे भाग रही है।

सर्वोच्च नागरिक सम्मान पाने वाले बिहार के तीसरे व्यक्ति

कर्पूरी ठाकुर पिछड़े वर्गों के हितों की वकालत करने के लिए जाने जाते थे। वे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पाने वाले बिहार के तीसरे व्यक्ति होंगे। उनसे पहले प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और लोकनायक जयप्रकाश नारायण को यह सम्मान दिया गया था। बिहार में जन्मे बिसमिल्लाह खां को भी भारत रत्न से नवाजा जा चुका है। हालांकि, उनकी कर्मभूमि उत्तर प्रदेश की वाराणसी रही।

ज्ञानवापी में वजूखाने के सर्वे की याचिका पर नहीं हो सकी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। वाराणसी के ज्ञानवापी विवाद में ज्ञानवापी परिसर के वजूखाने का भी एएसआई से सर्वेक्षण कराए जाने की मांग वाली अर्जी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज सुनवाई नहीं हो सकी। दरअसल, जस्टिस मनीष कुमार निगम ने खुद को सुनवाई से अलग कर लिया। इसके बाद मामला चीफ जस्टिस को रेफर किया गया है। अब चीफ जस्टिस द्वारा नामित कोई नई बेंच मामले की सुनवाई करेगी।

ऐसी संभावना जताई जा रही है कि अब 31 जनवरी को मामले की सुनवाई हो सकती है। राखी सिंह की तरफ से अर्जी दाखिल की गई थी। वाराणसी की जिला अदालत के फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल की गई है। याचिका में वाराणसी के जिला जज द्वारा वजूखाने के हिस्से में भी एएसआई से सर्वेक्षण कराए जाने की मांग ठुकराए जाने के आदेश को चुनौती दी गई है। जिला जज के 21 अक्टूबर 2023 के आदेश को चुनौती दी गई है। राखी सिंह के वकील सौरभ तिवारी ने यह जानकारी दी।

फरार टीएमसी नेता शाहजहां के आवास पर ईडी की छापेमारी

केंद्रीय बल के साथ घर पर पहुंची ईडी की टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख पर एक बार फिर ईडी का साया पहुंच गया है। ईडी ने केंद्रीय बल के साथ मिलकर आज उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में टीएमसी नेता शाहजहां शेख के आवास पर एक बार फिर छापेमारी की। ये छापेमारी राशन घोटाला मामले के तहत की जा रही है।

एक अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के 120 से अधिक कर्मियों के साथ पहुंचे ईडी अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस और गवाहों के रूप में दो स्थानीय लोगों की उपस्थिति में संदेशखली इलाके में शेख के आवास के दरवाजे को तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि हम आज शेख के आवास की तलाशी लेंगे। हम वहां के निवासियों से बात करने की भी कोशिश करेंगे। घर में प्रवेश करने के बाद अधिकारियों ने अंदर से दरवाजा बंद कर दिया और तलाशी शुरू कर दी।

ये था मामला

बता दें कि पांच जनवरी को ईडी ने शाहजहां के आवास पर छापेमारी की थी। जहां कुछ स्थानीय समर्थकों ने ईडी अधिकारियों पर हमला कर दिया। इस हमले में ईडी के तीन अधिकारी घायल हो गए थे। जिला पुलिस और शेख के परिवार के सदस्यों ने ईडी अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। हालांकि, इस घटना के बाद से ही शाहजहां फरार है। वहीं, पश्चिम बंगाल में राशन वितरण घोटाला मामले में राज्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को गिरफ्तार किया गया है।

ईडी के समक्ष पेश हुए एनसीपी विधायक रोहित पवार

सुप्रिया सुले बोलीं- देश में 90 से 95 प्रतिशत आईटी, सीबीआई और ईडी के मामले विपक्ष पर

महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक घोटाले मामले में ईडी कर रही है पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी-शरद पवार गुट के नेता रोहित पवार आज मुंबई में ईडी कार्यालय के समक्ष पेश हुए। इस दौरान राकांपा की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले भी मौजूद रहीं। महाराष्ट्र राज्य सहकारी (एमएससी) बैंक घोटाले के सिलसिले में एनसीपी-शरद पवार गुट के नेता रोहित पवार से ईडी द्वारा पूछताछ की जा रही है। इस दौरान सुप्रिया सुले उनके साथ पहुंची। इस मौके पर एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा सत्यमेव जयते।

महाराष्ट्र राज्य सहकारी (एमएससी) बैंक घोटाले के सिलसिले में ईडी द्वारा एनसीपी-शरद पवार गुट के नेता रोहित पवार को बुलाए जाने पर एनसीपी-शरद पवार गुट के कार्यकर्ताओं ने ईडी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

रोहित ने ईडी कार्यालय जाने से पहले पार्टी अध्यक्ष शरद पवार का लिया आशीर्वाद

बता दें कि विधायक रोहित पवार सुबह करीब 10.30 बजे दक्षिण मुंबई के बैलार्ड एस्टेट स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे। जांच एजेंसी के दफ्तर जाने से पहले रोहित पवार पास में स्थित एनसीपी कार्यालय गए और शरद पवार से मुलाकात की, उनके पैर छुए और पार्टी के अन्य नेताओं से भी बातचीत की। उन्होंने विधान भवन का भी दौरा किया और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा और भारतीय संविधान की पट्टिका पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

हमने कुछ गलत नहीं किया: सुले

सुप्रिया सुले का कहना है कि अगर हमने कुछ गलत नहीं किया है तो जांच के दबाव में आने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि इस देश में 90 से 95 प्रतिशत जो आईटी, सीबीआई और ईडी के मामले हैं वो विपक्ष पर हैं। आंकड़े खुद बात करते हैं। सुले का कहना है कि जांच पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए। मुझे ईडी पर पूरा भरोसा है और मुझे यकीन है कि वे रोहित का पक्ष सुनेंगे। सभी एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करें, क्योंकि हमारे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है।

10 दिनों तक अयोध्या न आएं वीवीआईपी

योगी सरकार ने की अपील

प्राण प्रतिष्ठा के बाद से राम मंदिर में उमड़ रहा श्रद्धालुओं का सैलाब

भारी भीड़ के चलते खुली व्यवस्थाओं की पोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु राम नगरी अयोध्या पहुंच रहे हैं। बीते दिन 23 जनवरी करीब 5 लाख लोगों ने रामलला के दर्शन किए। इस दौरान भारी भीड़ उमड़ने के चलते कुछ अव्यवस्थाएं भी देखने को मिलीं। इसलिए कल के हालात से सबक लेते हुए आज यूपी सरकार ने अयोध्या आने वाले अति विशिष्ट लोगों से एक अपील की है।

सरकार की ओर से कहा गया कि अति विशिष्ट मेहमान यानी कि वीवीआईपी अभी 10 दिनों तक अयोध्या न आएं। अगर आएं तो प्रशासन या श्रीराम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट को बता कर ही आएं। ताकि, उन्हें बेहतर सुविधा मुहैया हो पाएं। अभी क्राउड बहुत ज्यादा है। ऐसे में अति विशिष्ट मेहमानों को 10 दिनों के लिए अयोध्या यात्रा का कार्यक्रम पुनर्निर्धारित करना होगा।

वीवीआईपियों को सलाह

यूपी सरकार के मुताबिक, राम नगरी में असाधारण भीड़ को देखते हुए, वीआईपीज और प्रतिष्ठित व्यक्तियों से आग्रह किया जाता है कि वे आगामी 7 से 10 दिनों में अयोध्या धाम की अपनी यात्रा का कार्यक्रम तय करने से पहले स्थानीय प्रशासन, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट या उत्तर प्रदेश सरकार को सूचित करें।

वहीं, एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने कहा कि राम भक्तों को सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक दर्शन की अनुमति होगी। गौरतलब है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद देश भर से रामभक्तों के अयोध्या आने का सिलसिला तेज हो गया है। अयोध्या की सड़कों से लेकर मंदिर परिसर तक राम भक्तों का रेला लगा हुआ है। हर तरफ लोग ही लोग हैं। प्रशासन के लिए भक्तों की भीड़ को कंट्रोल करना मुश्किल साबित हो रहा है।

सुबह 7 से रात 11 बजे तक दर्शन की अनुमति

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।